

सदा-कुसुम पुं. (तत्.) धव, धातकी।

सदागति वि. (तत्.) जो हमेशा गतिशील रहे पुं. 1. वायु 2. सूर्य 3. ब्रह्म 4. पवन।

सदागम पुं. (तत्.) सज्जन का आगमन, श्रेष्ठ आगम या शास्त्र।

सदाचरण पुं. (तत्.) अच्छा आचरण, भलमनसाहत।

सदाचार पुं. (तत्.) सदाचरण, अच्छा आचरण।

सदाचारिता पुं. (तत्.) सदाचार।

सदाचारी पुं. (तत्.) 1. अच्छे आचरण वाला पुरुष 2. धर्मात्मा।

सदातन पुं. (तत्.) विष्णु।

सदात्मा वि. (तत्.) अच्छे स्वभाव का, नेक, सज्जन।

सदानंद पुं. (तत्.) 1. सदा बना रहने वाला आनंद, परमानंद 2. शिव 3. विष्णु 4. परमात्मा वि. सदा प्रसन्न रखने वाला।

सदानर्त पुं. (तत्.) 1. खंजन पक्षी वि. 2. हमेशा नाचने वाला।

सदापर्णी पुं. (तत्.) एक वनस्पति वि. वह वृक्ष जिसमें सदैव पत्तियाँ रहती हैं।

सदापुष्प पुं. (तत्.) 1. नारियल 2. कुंद का फूल 3. आक, मदार वि. हमेशा फूलने वाला।

सदापुष्पी स्त्री. (तत्.) रक्तार्क एक तरह की चमेली।

सदा प्रसून पुं. (तत्.) 1. कुंद का पौधा 2. रोहितक वृक्ष 3. आक, मदार वि. सदा विकसित रहने वाला।

सदाफल पुं. (तत्.) 1. बेल का वृक्ष 2. कटहल 3. नारियल 4. गूलर 5. एक प्रकार का नींबू।

सदाफली स्त्री. (तत्.) 1. जयाकुसुम 2. एक तरह का बैंगन।

सदावर्त पुं. (तत्.) 1. सदावर्त, सदा अन्न बाँटने का नित्यव्रत 2. वह स्थान जहाँ साधु-संतों या निर्धनों को नित्य अन्न दिया जाता है।

सदाबहार पुं. (तत्.) प्रत्येक ऋतु में फूलने वाला पुष्प या वृक्ष।

सदायन पुं. (तत्.) 1. ऐसा हाथी जिसका मद सदा बहता रहता है 2. ऐरावत 3. गणेश।

सदारत पुं. (अर.) सद्र का पद, अध्यक्षता, सभापतित्व, किसी संस्था की प्रधानता या प्रमुखता का धर्म निबहाने वाला या उसका काम करने वाला।

सदावर्त पुं. (तत्.) 1. सदा अन्न बाँटने का नित्य व्रत, ऐसा अन्न 2. वह स्थान जहाँ साधु-संतों या निर्धनों को नित्य भोजन दिया जाता हो या अन्नदान किया जाता हो, अन्नक्षेत्र।

सदावर्ती वि. (तत्.) सदा अन्न वितरण करने वाला दानी, बड़ा दानी, बहुत उदार।

सदाशय वि. (तत्.) उच्च विचारों वाला, उदारता पूर्ण, सज्जन, उदार, अच्छी नीयत वाला, भलामानस।

सदाशयता स्त्री. (तत्.) उत्तम विचारों वाला होने का गुण, उदारता, सज्जनता।

सदाशयी वि. (तत्.) शुभ आशय का, अच्छे आशय वाला।

सदाशिव पुं. (तत्.) शिव, महादेव वि. सदा कल्याण और मंगल करने वाला।

सदा सुहागन वि. (देश.) 1. हमेशा सौभाग्यवती रहने वाली स्त्री, वह स्त्री जो कभी विधवा न हो 2. सदा शोभा-युक्त रहने वाली वस्तु 3. वेश्या, रंडी।

सदिया स्त्री. (देश.) भूरे रंग की मुनियाँ (लाल पक्षी की मादा)।

सदिश वि. (तत्.) पुं. गणि. वे राशियों जिनमें परिमाण और दिशा दोनों हों उदा. बल, वेग, प्रवेग आदि।

सदी वि. (फा.) सौ वर्ष का समय, शताब्दी, शती, सैकड़ा।

सदुपदेश पुं. (तत्.) उत्तम उपदेश, उत्तम शिक्षा, अच्छी सलाह।